

एआई हब बनने की ओर बढ़ रहा उत्तर प्रदेश

एआई ट्रांसफॉर्मेशन कॉन्क्लेव 2026 में 50 से अधिक आईएएस अधिकारियों ने लिया हिस्सा

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश तेजी से टेक्नोलॉजी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बड़े केंद्र के रूप में उभर रहा है। इसी दिशा में शुक्रवार को राजधानी के एक होटल में एआई ट्रांसफॉर्मेशन कॉन्क्लेव 2026 आयोजित किया गया, जिसमें देशभर से 50 से अधिक आईएएस अधिकारियों और वरिष्ठ प्रशासकों ने हिस्सा लिया। कॉन्क्लेव में एआई से जुड़ी विशेष कार्यशाला भी आयोजित हुई, जिसका संचालन डॉ. सुबी चतुर्वेदी ने किया।

सुबी चतुर्वेदी ने कहा कि लखनऊ अब देश में एआई इनोवेशन का प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है। वर्तमान सरकार के प्रयासों से शहर नवाचार और नई तकनीक



एआई कॉन्क्लेव में मौजूद स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज कुमार सिंह। -संस्था

की पहचान बना रहा है। इनमोबी जैसी कंपनियों के आने से प्रदेश में रिसर्च, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और तकनीकी प्रतिभाओं का नया माहौल तैयार हो रहा है। कॉन्क्लेव में प्रदेश की एआई नीति और

टेक्नोलॉजी विजन पर भी चर्चा हुई। हाल ही में लखनऊ की वृंदावन योजना में 368 करोड़ रुपये की लागत से देश की पहली एआई सिटी को मंजूरी मिली है। वहीं, यूपी एआई मिशन के लिए 225 करोड़ रुपये का बजट तय किया गया है।

इस अवसर पर स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज कुमार सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकारी कार्यप्रणालियों में एआई ट्रांसफॉर्मेशन का राष्ट्रीय मॉडल बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने कहा कि सरकार एआई, क्वांटम और डीपटेक जैसी उभरती तकनीकों के लिए मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।